



रामघाट

दिव्य आकाश



जिंदगी में समस्या कभी
खत्म नहीं होती,
बस उसे निपटने की
कला आ जाती है।

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष - 17, संयुक्तांक - 20+21 कोरबा, दिनांक 21 अगस्त से 03 सितम्बर 2026

पृष्ठ - 8, मूल्य-रु. 3:00/-

चित्रकूट का सौंदर्य निखरा

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर प्रोटेस्ट की सभी एफआईआर रद्द की

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत लिया

सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल किया। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर रद्द करने का फैसला सिर्फ इसी मामले के खास तथ्यों और हालात को देखकर लिया गया है, इसलिए इसे दूसरे मामलों के लिए उदाहरण और बाध्यकारी फैसला नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान के तहत मिली अपनी विशेष शक्ति का इस्तेमाल इस शर्त पर किया जा रहा है कि दोनों पक्ष कोर्ट के सामने हुए समझौते का पूरी तरह पालन करेंगे।

कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली पुलिस के अंतरिम आवेदन पर सुनाया। अंतरिम आवेदन का मतलब है कि किसी मामले की सुनवाई चल रही हो और उसके दौरान किसी खास मुद्दे पर तुरंत राहत या आदेश की मांग के लिए कोर्ट में अलग से अर्जी दी जाए। इस आवेदन में सरकार ने कहा था कि 25 जुलाई

के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली पुलिस CJP के प्रदर्शन से जुड़ी 13 एफआईआर को आगे नहीं बढ़ाना चाहती। यानी इन मामलों में पुलिस अब कार्रवाई जारी रखने के बजाय उन्हें खत्म करना चाहती है।
काँकरोच जनता पार्टी ने कहा- यह फैसला छात्रों की जीत

CJI सूर्यकांत ने काँकरोच प्रवक्ता की तारीफ की

लाइव लॉ के अनुसार रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट रूम में CJP के प्रवक्ता सौरव दास भी मौजूद थे। वे बेंच के सामने पेश हुए और गुप की तरफ से एक बयान पढ़ा- 'मैं यह कहना चाहता हूँ कि सरकार के भरोसे पर आज लगी अदालती मुहर और ऑर्डर को देखते हुए हम 5 सितंबर का मार्च वापस ले रहे हैं। सौरव के बयान के बाद CJI सूर्यकांत ने कहा- आपने भी बहुत अच्छा कदम उठाया है। एक संस्था के रूप में, हम आभारी हैं कि ऐसा सकारात्मक वातावरण बनाया गया है जो युवाओं के लिए मददगार होगा।



दिया कुछ कहता है

दिया कुछ कहता है,
अंधकार को कर दे प्रकाशमान,
मैं वो दिया हूँ।
तुलसी के पास स्थान मेरा है,
मैं वो दिया हूँ।
श्री लक्ष्मी आवे ये प्रार्थना करती,
मैं वो दिया हूँ।
सुंदर आकार और प्रकार मेरा,
मैं वो दिया हूँ।
तेल से अंग अंग भीगे,
मैं वो दिया हूँ।
मुझे सजाते हौसले की कमी नहीं,
मैं वो दिया हूँ।
सबको समान प्रकाश देती,
मैं वो दिया हूँ।
मेरे बिना दिवाली अपूर्ण है,
मैं वो दिया हूँ।
दुख में भी दस दिन एक देह का
साथ देती,
मैं वो दिया हूँ।
जलती रहती हूँ हमेशा घर आंगन,
मैं वो दिया हूँ।
स्व रचित रचना
मृदुला रोजिन्दार
भिलाई

नेपाल में शव जलाने की बजाय दफनाए जा रहे: डीएनए जांच से होगी पहचान, फिर परिजनों को सौंपे जाएंगे अवशेष, अब तक 1066 मौतें

काठमांडू, एजेंसी।

नेपाल में बाढ़ के बाद सैकड़ों अज्ञात शवों को जलाने के बजाय दफनाया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि शवों के अवशेष सुरक्षित रहें और डीएनए जांच से पहचान कर परिजनों को सौंपे जा सकें। दरअसल, पानी और कीचड़ में लंबे समय तक दबे रहने से शवों की हालत बहुत खराब हो चुकी है। कई शव पानी में फूल गए हैं और तेजी से सड़



रहे हैं। इससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया है। दूसरी तरफ शवगृह और अस्थायी केंद्र भी शवों से भर चुके हैं। ऐसे में प्रशासन के लिए शवों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना संभव नहीं है।

यही वजह है कि अज्ञात शवों को सामूहिक कब्रों में दफनाया जा रहा है। 26 अगस्त को आई बाढ़ के बाद मौतों का आंकड़ा बढ़कर 1066 हो गया है।

इनमें नेपाल में 1050 और तिब्बत में 16 लोगों की मौत हुई है। वहीं, 4400 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।



नवा रायपुर में खुलेगा प्रतिष्ठित NMIMS

रायपुर (दिव्य आकाश)। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को उच्च शिक्षा, कौशल और ज्ञान के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (NMIMS) अब नवा रायपुर अटल नगर में अपना कैंपस स्थापित करेगा।

|| श्री गणेशिकाध्याम नमः || श्री धनवन्तरये नमः ||

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्डर विक्रेता

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर

इन बीमारियों का इलाज

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साइटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शॉप नं. 07 अल्फा कामप्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

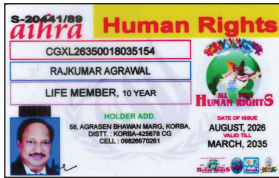
लायन राजकुमार अग्रवाल बने आल इंडिया ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन के लाईफ मेंबर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

लार्थस क्लब कोरबा गुरुकुल के मार्गदर्शक एवं संस्थापक, नितेश कुमार मेमोरियल लार्थस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारा) के डायरेक्टर, उद्योगपति एवं कोरबा के लब्ध प्रतिष्ठित समाजसेवी पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल को आल इंडिया ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन के लाईफ टाईम सदस्य के रूप में मनोनित किया गया है। एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. एम यू दुआ ने लायन डॉ. अग्रवाल के समाज सेवा के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान मिलने के बाद उन्हें एसोसिएशन का लाईफ टाईम सदस्य नियुक्त किया है। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि लायन डॉ. अग्रवाल लार्थस क्लब कोरबा गुरुकुल के बैनर तले पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित हैं और मानव सेवा के क्षेत्र में उनकी अलग ही पहचान है। द



इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ लार्थस क्लब्स की ओर से भी मानव सेवा के लिए उन्हें कई उत्कृष्ट सेवा सम्मान से नवाजा जा चुका है। आल इंडिया ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन के लाईफ टाईम मेंबर बनने के बाद पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि मानव अधिकार के क्षेत्र में काम करने का बड़ा मंच उपलब्ध हुआ है और वे इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करेंगे।



CGPSC-DMF घोटाले के आरोपियों को ईडी ने किया गिरफ्तार:छाबड़ा पर रु.30 करोड़ कमीशन लेने का आरोप, भूपेश के पूर्व PA-OSD के घर भी दबिश

दुर्ग-भिलाई, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में CGPSC और DMF घोटाले के मामले में ED ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। सीजीपीएससी घोटाले के आरोपी उत्कर्ष चंद्राकर और DMF घोटाले के आरोपी सतपाल सिंह छाबड़ा को ईडी ने गिरफ्तार किया है। दोनों को रायपुर के स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 5 सितंबर तक कस्टोडियल रिमांड पर लिया गया है। बता दें कि ईडी ने प्रदेश में 7 जगहों पर छापा मारा। इनमें पूर्व छरूभूपेश बधेल के PA रहे केके चंद्रवंशी, पूर्व OSD चेतन बोरचारिया और पूर्व पटवारी कमलेश सिंह राजपूत के घर शामिल हैं। दुर्ग में दो ठिकानों पर जांच की गई। ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि घोटाले की जांच में नए प्रमाण मिले हैं। सतपाल सिंह छाबड़ा पर DMF घोटाले में करीब 30 करोड़ रुपए का कमीशन लेने का आरोप है। आगे की पूछताछ के लिए उन्हें कस्टोडियल रिमांड

पर लिया गया है। ईडी के वकील सौरभ पांडेय के मुताबिक, CGPSC घोटाला मामले में उत्कर्ष चंद्राकर ने अलग-अलग कैंडिडेट्स से 3 करोड़ 11 लाख रुपए लिए। आरोप है कि उत्कर्ष ने कई लोगों को प्रलोभन दिया कि डिप्टी कलेक्टर पद पर सिलेक्शन नहीं होने के बावजूद उन्हें फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में पोस्टिंग दिलाई जाएगी। ईडी ने इन ठिकानों पर कार्रवाई की भिलाई में केके चंद्रवंशी के घर ED की टीम सुबह करीब 6 बजे 2-3 गाड़ियों से पहुंची। टीम ने दस्तावेजों और दूसरे जरूरी सामानों की जांच की। इस दौरान घर के बाहर पुलिस बल भी तैनात रहा। वहीं, दुर्ग के सिकोला भाटा की बंगाली कॉलोनी स्थित कमलेश राजपूत के घर पर भी छापेमारी की गई। पटवारी संघ के प्रदेश पदाधिकारी रह चुके राजपूत के घर ED के करीब 8 अधिकारी दो गाड़ियों से पहुंचे थे।

ज्योत्सु सरदः रातम्

अर्चिष्य कन्या को देव की विरा, अर्चक को नारा रो विरा
अर्च पर लो रो विरा, अर्चक को नारा रो विरा

हम सबकी लाडली

अकिता राजवाड़े

को जन्मदिन की
अशेष शुभकामनाएं...

शुभेच्छु : दिव्य आकाश / समस्त राजवाड़े परिवार कोरबा/कनकी



ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्॥

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 21 अगस्त से 03 सितम्बर 2026

सुविचार

शिव-पूजनात परं
किमपि नास्ति।

शिवपूजा से बढ़कर
कुछ भी नहीं है॥



नमः आयोजन समिति का दिव्य आयोजन, नमन पाण्डेय ने कहा कि पार्थिव शिवलिंग पूजन से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति का होता है संचार

माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर में आध्यात्म का अद्भूत संगम:तीसरे सावन सोमवार नाग पंचमी को 121 पार्थिव शिव लिंगों का दिव्य रूद्राभिषेक सम्पन्न

कोरबा (दिव्य आकाश)।

श्रावण शुक्ल पंचमी (नागपंचमी) विक्रम संवत् 2083, 17 अगस्त सावन का तीसरा सोमवार कोरबा के लिए आध्यात्मिक जागृति के लिए काफी महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहा। माँ सर्वमंगला देवी और भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से माँ सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा परिसर में नमः आयोजन समिति ने 121 पार्थिव शिवलिंगों का दिव्य महारूद्राभिषेक का आयोजन किया। यह कोरबा के लिए दिव्य और सनातन संस्कृति के लिए एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक आयोजन सिद्ध हुआ। 121 पार्थिव शिवलिंगों का जब महामिषेक प्रारंभ हुआ और घंटियों एवं शंखनाद के साथ दिव्य मंत्रोच्चार हुआ तब पूरा परिसर शिवमय हो गया और वातावरण स्वर्ग से भी सुंदर लग रहा था, मानो भगवान शिव का यज्ञ स्थल में शामिल होकर देव भी भगवान शिवलिंग में जल अर्पित करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। जहां हजारों हाथों ने एक साथ जलधारा से 121 पार्थिव शिवलिंगों में जल अर्पित कर रहे थे, वहीं आसमान अपनी अचिरल जलधारा से रूद्राभिषेक कर रहा था। माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर में आज (17 अगस्त) नवरात्रि के बाद ऐसा आध्यात्मिक संगम देखने को मिला। आध्यात्मिक दृश्य देखकर मानो आसमां भी गदगद हो रहा था और आसमान बरसात के रूप में अपना आशीर्वाद उन शिवभक्तों पर उड़ेल रहा था, जो 121 पार्थिव शिवलिंग का रूद्राभिषेक करने के लिए माँ सर्वमंगला देवी मंदिर पहुंचे थे। हजारों की संख्या में लोग 121 पार्थिव शिवलिंग का दिव्य महारूद्राभिषेक का दर्शन करने पहुंचे थे और दृश्य देखकर मन तृप्त कर रहे थे। नमः आयोजन समिति द्वारा द्वितीय वर्ष इस तरह का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन समिति द्वारा पवित्र 121 पार्थिव शिवलिंग की स्थापना परिसर में दिव्य मंत्रोच्चार के साथ किया गया, जहां 121 शिवभक्त दम्पतियों द्वारा शिव महामंत्र, महामृत्युंजय मंत्रों के बीच, शंखनाद एवं घंटियों की दिव्य नाद के बीच महारूद्राभिषेक किया गया। दृश्य देखकर मन तृप्त हो रहा था। ऐसा लग रहा था मानो माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर में भगवान शिव ने अपना डेरा डाल रखा है और शिवभक्तों को दिव्य सनातन का पाठ पढ़ा रहा हो। नमः आयोजन समिति की ओर से मयंक पाण्डेय, नमन पाण्डेय सहित विद्वान् आचार्यों एवं पंडितों द्वारा यह महारूद्राभिषेक दिव्यता और आध्यात्मिक मनोभाव से सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम इतना दिव्य था कि चारों तरफ आयोजन की गुंज सुनाई दे रही है और आयोजन समिति के इस दिव्य आयोजन की प्रशंसा चारों तरफ कीर्तिवान बनकर फैल रही है।



हजारों हाथों ने एक साथ शिवलिंगों पर की जलधारा की बरसात, परिसर हुआ शिवमय



सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी का पर्व सोमवार को माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर में श्रद्धा और उल्लास का संगम देखने को मिला। सुबह 10.00 बजे से ही पार्थिव शिव लिंगों में जलाभिषेक करने मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं का जनसेलाब उमड़ पड़ा था। शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ की भक्ति में ऐसा ससाबोरो दिखाते कि जलाभिषेक करने हजारों हाथ आतुर दिखाई दे रहे थे। पार्थिव शिवलिंगों के सामने बैठे 121 दम्पतियों के अलावा हजारों शिवभक्त बेलपत्र, धतूरा और पुष्प हाथ में लिए खड़े थे और ताम्र एवं पीतल के लोटे में जल लेकर शिवलिंगों में अर्पित कर रहे थे। जब हजारों हाथों से जल की धारा धीरे-धीरे बह रही थी, तो दृश्य रोमांचित और मन को आल्हादित कर रहे थे। जलाभिषेक से जहां जजमान आत्मतृप्त हो रहे थे, वहीं श्रद्धालु इस अनुपम दृश्य को देखकर शिवभक्ति के रस में सबाबोरो हो रहे थे।

नागपंचमी के अवसर पर नाग देवता की भी विधि-विधान से पूजा की गई। यहां कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए विशेष पूजन कराया गया। पारंपरिक परिधानों में शिवभक्त दम्पति यहां पहुंचकर पूजा-अर्चना की। भगवान महादेव का पार्थिव शिवलिंग के साथ नाग देवता की आकृति बनाकर नाग देवता का पूजन किया गया। माँ सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा के राजपुरोहित सपत्नीक नमन पाण्डेय (नन्हा महाराज) के नेतृत्व में हजारों हाथों द्वारा जलाभिषेक का दृश्य अद्भूत था। नमन पाण्डेय ने बताया कि भगवान शिव की महिमा अपरंपर है। उनकी पूजा से जीवन सुधर जाता है और कर्म का फल सुफल में बदल जाता है। भगवान शिव भोलेभण्डारी हैं, वे किसी भी तरह के पूजन को स्वीकार कर लेते हैं। मनोभाव से किया गया जलाभिषेक और रूद्राभिषेक से हर पाप कट जाते हैं और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

हर-हर महादेव की गुंज पहुंची दूर तक तक



भगवान श्री गणेश-शिव -पार्वती की अलौकिक एवं दिव्य महाआरती



पार्थिव शिवलिंग पूजन से तीनों तापों से मिलती है मुक्ति, परिवार बनता है

खुशहाल- नमन पाण्डेय



नमः आयोजन समिति के अध्यक्ष राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने बताया कि पार्थिव शिवलिंग पूजन का विशेष महत्व है। भगवान राम ने भी लंक चित्रय प्राप्ति के पूर्व एवं रामसेतु निर्माण से पूर्व पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की थी और भगवान राम का लक्ष्य पूरा हुआ। पार्थिव शिवलिंग की पूजा फलदायी एवं सिद्धिदायी होती है। इसके अलावा पार्थिव शिवलिंग के पूजन से मनुष्य को दैहिक, दैहिक और भौतिक तापों से मुक्ति मिलती है और अमरत्व (दीर्घायु) की प्राप्ति होती है। भगवान शिव शिवभक्तों के परिवार, घर में खुशहाली का वरदान देते हैं। भगवान शिव भोले भण्डारी हैं, खुद फकीरी का जीवन अपनाया, लेकिन अपने भक्तों को धन, सुख, समृद्धि का भण्डार प्रदान करते हैं।

नमन पाण्डेय ने बताया आभार

नमः आयोजन समिति की ओर से नमन पाण्डेय ऊर्फ नन्हा महाराज ने 121 पार्थिव शिवलिंग के महारूद्राभिषेक को सफल और सुफल बनाने वाले सभी 121 शिवभक्त दम्पतियों, उपस्थित हजारों शिवभक्तों का आभार जताया। श्री पाण्डेय ने पुलिस अधिकारियों का भी आभार जताया, जिन्होंने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जनसुरक्षा को प्राथमिकता के साथ अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहते हैं। नन्हा महाराज ने इस महायज्ञ को सफल बनाने वाले विद्वान् आचार्यों, पंडितों का भी आभार जताया, जिनके मंत्रोच्चार, घंटी एवं शंखनादों से परिसर दैविकमान हुआ और शिवमहिमा के सत्व प्रकाश से कोरबा आल्हादित हुआ। व्यवस्था में लगे समस्त सहयोगियों का भी हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव, शिवभक्तों के परिवारों सहित कोरबा जिले को सुख-शांति, सद्भाव, एकता के साथ समृद्ध और खुशहाल बनाए, वहीं भगवान भोलेनाथ से मेरी कामनाएं एवं प्रार्थना।

सामाजिक दायित्व का किया गया निर्वहन

121 पार्थिव शिवलिंगों का महारूद्राभिषेक सम्पन्न होने के बाद सर्वमंगला पुलिस चौकी प्रभारी विभव तिवारी सहित अन्य अधिकारियों ने उपस्थित जनों के बीच नमः आयोजन समिति के साथ सामाजिक दायित्व का भी निर्वहन किया और पुलिस अधिकारियों ने साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़ महामियान के तहत साइबर ठगी से सुरक्षित रहने के उपाय बताए और कहा कि सभी के सतर्क रहने पर साइबर क्राइम शून्य होगा।

आध्यात्म की गुंज शहर के अंतिम छोर तक पहुंची

नमः आयोजन समिति के इस लोक मंगलकारी एवं लोक कल्याणकारी आयोजन की गुंज कोरबा के अंतिम छोर तक पहुंची और नमः आयोजन समिति के इस महाआध्यात्मिक आयोजन की प्रशंसा की गई। इस आयोजन की कीर्ति दूर-दूर तक फैली। यह कोरबा ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लिए ऐतिहासिक आध्यात्मिक आयोजन था।

सब तापों से मुक्ति

नन्हा महाराज ने बताया कि पार्थिव शिवलिंग से सभी तापों दैहिक, दैहिक और भौतिक तापों से मुक्ति मिलती है और हर पाप, कलह का विनाश होता है।

महाभंडारे का आयोजन

नमः आयोजन समिति द्वारा 121 पार्थिव शिवलिंग का महारूद्राभिषेक सम्पन्न कराने के बाद महामण्डारे का भी आयोजन किया, जिसमें उपस्थित हजारों शिवभक्तों ने महा प्रसाद का आनंद लिया और तृप्त हुए।

**शांत हों आकाश-मंडल, शांत पृथ्वी का हृदय। शांत हों जल, वायु, पावक, शांत हो सबका उदय।।
दूर हों सब द्वेष-विघ्न, शांत होवे चेतना।नाथ! ऐसी कृपा कर दो, शांत हो हर वेदना।।**



प्रख्यात समाज सेवी, भाजपा नेता एवं सीएसईबी से सेवानिवृत्त लेखाधिकारी स्व.कार्तिकराम जायसवाल को दी गई श्रद्धांजलि



विधायक पटेल सहित दिग्गज नेताओं एवं समाजसेवी पहुंचे स्व. जायसवाल के दशगात्र/चंदनपान में, परिजनों को दी सांत्वना

कोरबा/पाली/परसदा(दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के पाली ब्लाक मुख्यालय से 18 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत परसदा निवासी क्षेत्र के प्रख्यात समाजसेवी एवं सीएसईबी वितरण विभाग से सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखाधिकारी स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल का निधन गत 05 अगस्त को हो गया था, जिनकी आत्मशान्ति के लिए परिजनों द्वारा निज निवास परसदा में 14 अगस्त को दशगात्र एवं चंदनपान का आयोजन किया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और स्वश्री कार्तिकराम जायसवाल के तैल्यचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनकी आत्मशान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। दशगात्र एवं चंदनपान में शामिल होने वाले राजनेताओं में कटधोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, पाली-तानाखार विधायक तुलेश्वर मरकाम, पाली-तानाखार

विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मोहितराम केरकेड़ा, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के जिलाध्यक्ष मनोज चौहान, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजय भावनानी सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, राजनेता, समाजसेवी शामिल थे।

अधिवक्ताओं ने भी दी श्रद्धांजलि
स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल के ज्येष्ठ पुत्र अम्बिका प्रसाद जायसवाल पेशे से अधिवक्ता हैं और स्व.श्री जायसवाल को श्रद्धांजलि देने अधिवक्ता भी बड़ी संख्या में परसदा पहुंचे थे और स्व.श्री जायसवाल के तैल्यचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उन्हें नमन किया।

शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों ने भी दी श्रद्धांजलि

स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल की पुत्री श्रीमती संध्या जायसवाल कोटा में सहायक

विकासखण्ड शिक्षाधिकारी हैं और शिक्षा विभाग से जुड़े होने के कारण उनके निवेदन पर बड़ी संख्या में शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल के चंदनपान कार्यक्रम एवं श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित हुए और उन्हें नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पत्रकारों ने भी दी श्रद्धांजलि
स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल को सभी वर्ग के लोग प्रेरणा स्रोत मानते थे। पाली क्षेत्र के पत्रकार भी बड़ी संख्या में स्व.श्री जायसवाल को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। नवभारत के क्षेत्रीय संवाददाता एवं वरिष्ठ पत्रकार कमल वैष्णव सहित सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, दीपक शर्मा, शंकर दास दीवान, कमल महंत, संत कुमार पटेल सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे।

क्षेत्र के हजारों लोग दशगात्र में हुए शामिल

सचिव संघ ने दी श्रद्धांजलि
स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल छत्तीसगढ़ पंचायत सचिव संघ के महासचिव सुनील जायसवाल के पिता हैं, जिसके कारण जिले भर से पंचायत सचिव संघ कोरबा के पदाधिकारी एवं ग्राम पंचायतों के सचिव बड़ी संख्या में कार्यक्रम में पहुंचे थे और सभी ने स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल को श्रद्धांजलि दी और परिजनों को इस दुखद आपदा को सहने संबल प्रदान किया।

स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल ने आजीवन लोगों के हर सुख-दुख में शामिल होते रहे। वे एक मानवीय संवेदना के प्रतीक थे और लोगों के संकट के समय हमेशा उनके साथ खड़े होने वाले इंसान थे। यूं कहें तो स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल लोगों के लिए मसीहा थे और क्षेत्र के लोग उन्हें महामानव की तरह पूजते थे। स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत थे और लोगों को हमेशा जागरूक करते थे-नशे से दूर रहें, अपने बच्चों को खूब पढ़ाएं और संयुक्त परिवार के लिए भी

लोगों को जागरूक करते थे। वे कहा करते थे कि दूसरों का पूरा सम्मान करें, चाहे वह छोटा हो या बड़ा। सम्मान दोगे, तो सम्मान मिलेगा, इसलिए वे हमेशा लोगों को मानवीय व्यवहार का पाठ पढ़ाते। इन बातों को वे अपने चरित्र में उतार कर लोगों के लिए स्वयं प्रेरणा बन गए। मानवीय संवेदना के प्रतीक और लोगों के लिए प्रेरणा होने के कारण वे जन-धन के मामले में काफी अमीर थे, इसलिए उनके चंदनपान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।

परिवार के साथ सबका ख्याल रखते थे पापा- सुनील जायसवाल

छत्तीसगढ़ प्रदेश पंचायत सचिव संघ के महासचिव एवं स्व.श्री कार्तिकराम जायसवाल के छोटे पुत्र सुनील जायसवाल श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बड़े भावुक दिखे। उन्होंने कहा कि पापा हमारे प्रेरणा स्रोत थे और वे हमेशा परिवार के साथ क्षेत्र के लोगों का भी ख्याल रखते थे। उनके जाने से हम अनाथ सा महसूस कर रहे हैं। पापा हमेशा लोगों के लिए अच्छा करने की सीख दे गए और हम उनके संस्कारों को कभी नहीं भूलेंगे। उनका नश्वर शरीर हमसे दूर हो गया, लेकिन वे प्रेरणा बनकर हमारे और लोगों के दिलों में सदियों तक जिंदा रहेंगे। इस महामानव को बारंबार प्रणाम...।



कोरबा के झरना पारा 15 ब्लाक में धूमधाम से भोजली का विसर्जन, मितान परंपरा से गुंजा घाट

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति का प्रतीक भोजली पर्व का कोरबा में धूम रहा। शुक्रवार को कोरबा के कई हिस्सों में भोजली का विसर्जन किया गया। इसी कड़ी में रक्षाबंधन के दूसरे दिन भादो कृष्णपक्ष प्रतिपदा शनिवार को महिलाएं और युवतियां सिर पर भोजली की टोकरी रखकर पारंपरिक लोकगीत गाते हुए झरना पारा स्थित घाट में विसर्जित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

लोक परंपरा के अनुसार नाग पंचमी के दिन कुम्हार के घर से लाई मिट्टी और खाद से भरी टोकरी में गेंहू-जवार के अंकुरों को सात दिनों तक घरों में देवी स्वरूप मान कर पूजा की जाती है और भादो के प्रथम दिन इसे पूजा पाठ के साथ नदी, तालाबों में विसर्जित किया जाता है। बुजूर्गों के अनुसार भोजली जितनी विकसित और हरी होगी, धान भी उतना ही अच्छा होगा। यूं कहें तो भोजली का पर्व प्रकृति पूजा का एक स्वरूप है। विप्रेन्द्र कुमार साहू ने बताया 15 ब्लाक झरना पारा में भोजली विसर्जन के बाद मितान परंपरा का भी निर्वहन किया गया और प्रिय सहेली, प्रिय दोस्त को भोजली आदान-प्रदान कर एक-दूसरे के साथ मितान की रस्म पूरी की गई और आजीवन दोस्ती निभाने का संकल्प लिया गया।



सिमगा में साइकिल वितरण:जिपं अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने किया बालिकाओं को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित



कोरबा/सिमगा (दिव्य आकाश)।

उत्तर माध्यमिक विद्यालय सिमगा में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने एवं छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्राओं को साइकिल वितरित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह एवं सेवानिवृत्त डिप्टी कमिश्नर भोवाल सिंह उपस्थित रहे। साथ ही जनपद सदस्य एवं

एसएमडीसी अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष सोहन मरकाम, मंडल महामंत्री राकेश जायसवाल, विष्णु यादव, विद्यालय के प्राचार्य सतीश प्रकाश सिंह, ग्राम के सरपंच सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अतिथियों ने छात्राओं को साइकिल प्रदान करते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा समाज और राष्ट्र के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला है। सरकार द्वारा छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में

सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरस्वती साइकिल योजना संचालित की जा रही है।

साइकिल मिलने से छात्राओं में काफी उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने इस पहल के लिए अतिथियों एवं विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन और संस्कार को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समापन विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

जिपं अध्यक्ष के निरीक्षण में खुलासा:बराभदे में कक्षा पहली से पांचवीं तक लग रही क्लास

कोरबा/पोड़ी-उपरोड़ा (दिव्य आकाश)।

विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा की प्राथमिक शाला वीजाघूंटरा ग्राम पंचायत जामकछार संकुल केंद्र गडरा में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह ने आकास्मिक निरीक्षण करते हुए पिछले 1 वर्षों से बराभदा में कक्षा पहली से पांचवी तक की पढ़ाई हो रही पढ़ाई को संज्ञान में लिया और तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी टी पी उपाध्याय को वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए निर्देशित किया कि भवन निर्माण की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव दें। निरीक्षण के दौरान उक्त विद्यालय में दो शिक्षक मौजूद मिले और वहां की दर्ज संख्या 45 थी। छोटे-छोटे बच्चे पढ़ाई करते हुए नजर आए। साथ ही साथ मध्याह्न भोजन एक किनारे में ही समूह द्वारा बनाया जा रहा था।



सम्मान समारोह में शामिल हुए जिपं अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह

कोरबा/पोड़ी-उपरोड़ा (दिव्य आकाश)।

ग्राम पंचायत पसान विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा के स्वामी आत्मानंद स्कूल में वरिष्ठ जन एवं प्रतिभावन छात्र-छात्राओं, सेवा कार्य करने वाले मितांन, सेवानिवृत्त शिक्षक, वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह शामिल हुए। इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत उपस्थित थीं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष-जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा प्रकाश चंद्र जाखड़, प्रताप सिंह मरावी- मंडल अध्यक्ष, सरपंच, ग्राम पंचायत पसान सहित ग्राम वासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हीरालाल यादव बने आदर्श यादव सेवा संस्थान के नए अध्यक्ष

कोरबा/छुरीकला (दिव्य आकाश)।

यादव समाज के वरिष्ठ सदस्य छुरीकला निवासी हीरालाल यादव को आदर्श यादव सेवा संस्थान का व्यवस्था को आगे बढ़ाने हेतु वरिष्ठजनों ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया। अध्यक्ष डॉ. पी एल यादव के इस्तीफे के बाद हीरा लाल को नई जिम्मेदारी दी गई।

आयोजित की गई। बैठक में सामाजिक चर्चा हुई और नए अध्यक्ष का मनोनय हुआ। समारोह के दौरान संस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था को आगे बढ़ाने हेतु वरिष्ठजनों ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया। अध्यक्ष डॉ. पी एल यादव के इस्तीफे के बाद हीरा लाल को नई जिम्मेदारी दी गई।



प्रखर समाजसेवी एवं शिक्षाविद स्व. कार्तिक जायसवाल की स्मृति में परसदा स्कूल में ‘न्योता भोज’

बीईओ गोभिल सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक रहे उपस्थित



कोरबा/परसदा(दिव्य आकाश)।

प्रखर समाजसेवी, शिक्षाविद स्वर्गीय कार्तिक जायसवाल की स्मृति में परसदा स्कूल में ‘न्योता भोज’ का भव्य आयोजन; शिक्षा विभाग के आला अधिकारी रहे मौजूद परसदा/पाली:क्षेत्र के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता, एवं समर्पित शिक्षाविद स्वर्गीय श्री कार्तिक जायसवाल जी की पावन स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए आज एक अत्यंत गरिमामयी और सेवाभावी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वर्गीय कार्तिक जायसवाल जी के ज्येष्ठ सुपुत्र अंबिका जायसवाल उनकी धर्मपत्नी श्रीमती ऊषा जायसवाल, सुपुत्र सुनील जायसवाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वर्षा जायसवाल के सौजन्य से स्थानीय प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला परसदा में ‘न्योता भोज’ कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। इस दौरान स्कूली बच्चों को अत्यंत स्नेह और आदर के साथ सुरुचिपूर्ण भोजन कराया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थितिइस न्योता भोज कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े कई उच्च अधिकारियों, संकुल समन्वयकों और वरिष्ठ शिक्षकों ने विशेष रूप से शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित कुन्देश गोभिल (विकास खंड शिक्षा अधिकारी), मनोराम मरकाम (सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी), रामगोपाल जायसवाल (विकासखंड स्रोत समन्वयक), श्रीमती संध्या जायसवाल (सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी, कोटा) गणपत दास

बंजारे (संकुल समन्वयक) शिक्षक समुदाय और ग्रामीणों की सहभागिता कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय शिक्षक संघ और ग्रामवासियों का भी भरपूर सहयोग रहा। आयोजन के दौरान शिक्षा क्षेत्र के शिक्षक भीष्म प्रसाद साहू, रेवती रमण, लक्ष्मी जायसवाल एवं सचिव संतोष राव विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही, स्वर्गीय कार्तिक जायसवाल जी के परिवार के सदस्य नितान्त जायसवाल, शांभवी जायसवाल, सार्थक जायसवाल, अंशु जायसवाल, वासु जायसवाल, चंचल जायसवाल, कीर्ति जायसवाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामवासी और गणमान्य नागरिक बच्चों का उत्साहवर्धन करने और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते पहुंचे।

अतिथियों ने की जायसवाल परिवार की सराहना....

कार्यक्रम में उपस्थित विकास खंड शिक्षा अधिकारी कुन्देश गोभिल और अन्य अधिकारियों ने स्वर्गीय कार्तिक जायसवाल जी के समाज और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि जायसवाल परिवार द्वारा बच्चों के लिए आयोजित यह ‘न्योता भोज’ समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। इस तरह के आयोजनों से न केवल बच्चों को पोषण और स्नेह मिलता है, बल्कि समाज में समरसता और सेवा की भावना भी सुदृढ़ होती है। भोजन के पश्चात जायसवाल परिवार ने उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों और ग्रामीणों का इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने के लिए आभार व्यक्त किया।



LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?

एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं

LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

आज ही बीमा कराएं
अपने और अपने परिवार
के भविष्य को सुरक्षित
एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।

सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)

कापिरट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र

प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

खेल हमारे जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना को विकसित करते हैं- श्रीमती खुशबू अग्रवाल

एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) में राष्ट्रीय खेल दिवस पर बच्चों ने दिखाया दम



कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) में उत्कृष्ट सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़चढ़ कर संचालित करती है, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विद्यालय में खेल प्रतियोगिताओं का वृहद आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने हाउसवार टीमों में उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे—कक्षा 3 री से 5वीं तक बालिका एवं बालक वर्ग दोनों में : कृष्णा हाउस — विजेता रहा। कक्षा 6वीं से 8वीं तक बालिका वर्ग में नर्मदा हाउस — विजेता और बालक वर्ग में गंगा हाउस — विजेता रहे। कक्षा 9वीं से 12वीं तक बालिका वर्ग में नर्मदा हाउस — विजेता और बालक वर्ग में गंगा हाउस — विजेता रहे।

इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती शोमा सोनी ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की अध्यक्ष श्रीमती खुशबू अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा

कि जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, निरंतर प्रयास और ईमानदारी से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेलों में भाग लेने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया और सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में नियमितता, समर्पण और जिम्मेदारी का संदेश दिया। विद्यालय परिवार की ओर से सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई दी।

खेलेगा भारत, तभी तो आगे बढ़ेगा भारत।



Action - Green House

समाज की एकता और समर्पण ने बदली तस्वीर, आज मजबूत वटवृक्ष बन चुका अग्रवाल समाज – विकास अग्रवाल

अग्रवाल सभा दरी , महिला मंडल एवं मारवाड़ी युवा मंच के संयुक्त आयोजन में हुआ वृक्षारोपण

कोरबा/दरी (दिव्य आकाश)।

पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकजुटता का संदेश देते हुए अग्रसेन भवन दरी में ‘एक पेड़-एक जिंदगी’ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अग्रवाल सभा दरी, अग्रवाल महिला मंडल एवं मारवाड़ी युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता विकास अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। महाराजा श्री अग्रसेन के तैल्यचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया और अग्रसेन भवन परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता विकास अग्रवाल ने अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष प्रेम अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष महेश अग्रवाल, वर्तमान अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल सहित समाज के सभी वरिष्ठजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे पिछले करीब 25 वर्षों से अग्रवाल समाज में विभिन्न पदों पर रहकर अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं और समाज की प्रगति को बेहद करीब से देखा है। विकास अग्रवाल ने कहा कि किसी भी संस्था अथवा संगठन के विकास में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समाज के लोगों ने हमेशा आगे बढ़कर अपना योगदान दिया है। पुराने दिनों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि एक समय समाज में



पेड़ लगाने के साथ उसकी सुरक्षा का लिया गया संकल्प

‘एक पेड़-एक जिंदगी’ अभियान की सराहना करते हुए विकास अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और सुरक्षा का आधार हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज की सेवा के साथ प्रकृति की सेवा भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उपस्थित जनों ने एक पेड़-एक जिंदगी अभियान के तहत एक-एक पेड़ लगाए और उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया।

बर्तनों की कमी होने पर करीब 100 लोगों से पांच-पांच हजार रुपये का सहयोग मांगा गया था। समाजजनों की इसी सहयोग भावना, एकजुटता और समर्पण का परिणाम है कि आज अग्रवाल समाज कोरबा एक मजबूत और विशाल वटवृक्ष के रूप में स्थापित हो चुका है और आर्थिक रूप से भी सशक्त है।

उन्होंने कहा कि आज समाज जिस मुकाम पर पहुंचा है, उसके पीछे समाज के पूर्वजों और घर के बड़े-बुजुर्गों का महत्वपूर्ण योगदान है। उनकी मेहनत, दूरदृष्टि और संस्कारों ने समाज को मजबूत आधार दिया

है। उन्होंने सभी समाजजनों से समाज की एकजुटता और मजबूती के लिए आर्थिक एवं शारीरिक रूप से अपना योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष प्रेम अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक महेश अग्रवाल, अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष सूरज पांडेय, मंडल महामंत्री अंजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, सचिव मनोज अग्रवाल,



उपाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष बैजनाथ गोयल, प्रतीक अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष श्रेयासी अग्रवाल, सचिव आशीष अग्रवाल, अग्रवाल महिला मंडल अध्यक्ष संगीता पालीवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों ने पौधरोपण को जनअभियान बनाने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। आयोजन ने सामाजिक एकता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य का मजबूत संदेश दिया।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने जयसिंह से की सौजन्य भेंट

कोरबा (दिव्य आकाश)। छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की कोरबा इकाई द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व राजस्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयसिंह अग्रवाल से सौजन्य भेंट की गई। इस अवसर पर संघ की और से उन्हें पूर्व सामाजिक कार्य की स्मृति संग्रह भेंट किया गया। इस दौरान

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के जिला अध्यक्ष विपेंद्र कुमार साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम एवं

कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर अन्य पदाधिकारियों सहित मॉनिंग वॉक टीम उपस्थित थी।



पार्वथम योधा ने दिखाई प्रतिभा

दिल्ली पब्लिक स्कूल बालको की मेधावी छात्रा पार्वथम योधा ने प्रणवम महोत्सव 2026 में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बिलासपुर में आयोजित इस महोत्सव में पार्वथम ने कथक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दे कर सबका मन मोह लिया।



जयश्रीश्रीसर्वमंगलादेवी

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् । उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामऽमृतात् ॥

त्रिनेत्र महादेव हम आपकी पूजा करते हैं!
आप हमें अमरता प्रदान करें!!

ॐ नमः शिवाय

राजपुरोहित पं. नमन पाण्डेय (नन्हा)
अध्यक्ष-नमः आयोजन समिति

सादर
आभार

आदि शक्ति माँ श्री सर्वमंगला देवी और देवों के देव भगवान भोलेनाथ की असीम अनुकम्पा से स्वर्ग से भी पावन माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर में श्रावण शुक्ल पंचमी विक्रम संवत् 2083 (17 अगस्त) तृतीय सावन सोमवार को 121 पार्थिव शिवलिंगों का महारूद्राभिषेक हजारों शिवभक्तों की उपस्थिति में दिव्य रूप से सम्पन्न और सुफल हुआ। शिव महापुराण में मिट्टी के शिवलिंग की पूजा अत्यंत लाभकारी और जीवन को समृद्ध, खुशहाल और जन कल्याणकारी बताया गया है। 121 पार्थिव शिवलिंगों के सामूहिक महारूद्राभिषेक में उपस्थित शिवभक्तों का मैं हृदय से आभारी हूँ, जिनकी उपस्थिति ने परिसर को शिवमय बना दिया। इस आध्यात्मिक महोत्सव में उपस्थित हजारों शिवभक्तों का भी मैं आभारी हूँ, जिन्होंने इस कार्यक्रम को भव्य शिवमेला का रूप दिया। मैं सभी आचार्यवृन्दों, पंडितों का भी आभारी हूँ, जिनके सानिध्य में यह महायज्ञ फलित हुआ। मैं पुलिस प्रशासन का भी हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने यहां आकर नशामुक्त भारत अभियान और साइबर ठगी से बचने जन-जागरूकता अभियान चला कर शिवभक्तों को आध्यात्म के साथ मानवीय जागरूकता दी। मैं कार्यक्रम को सफल एवं सुफल बनाने के लिए व्यवस्था में लगे सहयोगियों का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

माँ आदिशक्ति एवं भगवान शिव की असीम कृपा से हम अगले वर्ष इस आध्यात्मिक रूद्रमहाभिषेक को और विस्तारित करेंगे। भगवान शिव से मेरी यही प्रार्थना है कि विश्व में शांति का संचार हो, कोरबा सहित प्रदेश खुशहाल, समृद्ध और विकसित बने और सबका जीवन सरल, सुलभ और खुशहाल बने...।

आप सभी को पावन श्रावण मास की असीम शुभकामनाएं... जय भोलेनाथ!!

प्रबंधक एवं व्यवस्थापक
श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा
कोरबा जिला - कोरबा

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा पे. डी.बी. कॉपी लिमिटेड, नर्मदा कोल्लिडूक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :divyaakash.news@gmail.com



सोते-सोते मुस्कुराता है आपका नन्हा बच्चा ?

जानें क्या होती है इसके पीछे की असली वजह

नवजात बच्चे को सोते हुए देखना माता-पिता के लिए अपने आप में एक अलग अनुभव होता है। कभी बच्चा नींद में अचानक मुस्कुराने लगता है, कभी होंठ हिलाता है, तो कभी हाथ-पैर चलाने लगता है। कुछ बच्चे सोते-सोते ऐसी आवाज भी निकालते हैं, जैसे रो रहे हों या कुछ बोलने की कोशिश कर रहे हों। ऐसे समय में नए माता-पिता के मन में सवाल उठना लाजमी है कि आखिर बच्चा ऐसा क्यों कर रहा है ? क्या वह सपना देख रहा है या उसे कोई परेशानी हो रही है ?

दरअसल, नवजात शिशुओं की नींद बड़ों जैसी नहीं होती। जन्म के बाद शुरुआती महीनों में उनका शरीर और दिमाग लगातार विकसित हो रहा होता है। इसलिए सोते समय कई तरह की छोटी-बड़ी हरकतें दिखाई दे सकती हैं।

नींद में मुस्कुराता क्यों है बच्चा ?

बच्चे को नींद में मुस्कुराते देखकर अक्सर लगता है कि वह कोई प्यारा सपना देख रहा है, लेकिन हर बार ऐसा होना जरूरी नहीं है। नवजात बच्चे के चेहरे की मांसपेशियों में नींद के दौरान अपने आप हलचल हो सकती है। इसी वजह से वह मुस्कुराने, भौंहें सिकोड़ने या होंठ हिलाने जैसी हरकत कर सकता है।

यानी बच्चे की हर मुस्कान को किसी सपने से जोड़ना सही नहीं होगा। कई बार यह उसकी नींद और शरीर के विकास से जुड़ी सामान्य गतिविधि होती है।

इन संकेतों को बिल्कुल नजरअंदाज न करें

हालांकि नींद में छोटी-मोटी हरकतें सामान्य हो सकती हैं, लेकिन कुछ संकेतों पर माता-पिता को सावधान रहना चाहिए। अगर बच्चे को सांस लेने में साफ परेशानी हो, सांस बहुत अजीब तरीके से चले, होंठ या चेहरा नीला दिखाई दे, बार-बार असामान्य झटके आएँ या बच्चा काफी देर तक बाल रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें।

एजेंसी।



गोल्डन साड़ी और बालों में गजरा लगा कर Kangana Ranaut पहुंची मुंबई, किए सिद्धिविनायक मंदिर-मुंबा देवी के दर्शन

हाथों पर भरी-भरी मेहंदी नहीं पसंद ? त्योंहारों पर ट्राई करें ये अरेबिक मेहंदी डिजाइंस

त्योंहारों पर नए कपड़े पहनने से लेकर ज्वेलरी और मेकअप तक, हर चीज पर खास ध्यान दिया जाता है। वहीं, हाथों पर मेहंदी लग जाए तो त्योंहार का लुक और भी निखर जाता है। अगर आपको बहुत भरी-भरी मेहंदी पसंद नहीं है और कुछ स्टाइलिश व एलिगेंट ट्राई करना चाहती हैं, तो Arabic Mehndi Design आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

फूल-पत्तियों वाला अरेबिक डिजाइन

अरेबिक मेहंदी में फूल और पत्तियों के पैटर्न काफी पसंद किए जाते हैं। आप हथेली के एक हिस्से से शुरू होकर उंगलियों की तरफ जाती हुई बेल बनवा सकती हैं। इसमें छोटे फूल, पत्तियां और घुमावदार लाइनें मिलाकर डिजाइन बनाया जाता है। यह सिंपल होने के साथ काफी खूबसूरत लगता है और रक्षाबंधन के ट्रेडिशनल



आउटफिट के साथ भी आसानी से मैच हो जाता है।

ज्वेलरी स्टाइल अरेबिक मेहंदी

अगर आपको थोड़ी मॉडर्न मेहंदी पसंद है, तो ज्वेलरी स्टाइल अरेबिक मेहंदी ट्राई कर सकती हैं। इसमें हाथ पर ऐसा पैटर्न बनाया जाता है, जो किसी ब्रेसलेट या कंगन जैसा नजर आता है। उंगलियों पर हल्की डिजाइन और हथेली पर एक छोटा मोटिफ इसे और स्टाइलिश बना सकता है।

बैक हैंड के लिए बेल डिजाइन



त्योंहारों पर अगर आप हाथ के पीछे यानी बैक हैंड पर मेहंदी लगवाने वाली हैं, तो अरेबिक बेल



डिजाइन अच्छा विकल्प है। कलाई से शुरू होकर उंगलियों की तरफ जाती हुई बेल हाथ को लंबा और

खूबसूरत लुक देती है। इसमें फूल, पत्तियां और छोटी-छोटी डॉट्स जोड़कर डिजाइन को आकर्षक बनाया जा सकता है।

उंगलियों पर बनाएं सिंपल डिजाइन

अगर आपको पूरी हथेली पर मेहंदी लगाना पसंद नहीं है, तो सिर्फ उंगलियों पर अरेबिक डिजाइन बनवा सकती हैं। उंगलियों पर जालीनुमा पैटर्न, छोटी पत्तियां या फूलों के मोटिफ बनाए जा सकते हैं। एजेंसी।

15 हजार पौधे, भयंकर बाढ़ और रु. 2 करोड़ का कर्ज: जानें कैसे टीवी एक्टर राजेश कुमार ने लड़ी जिंदगी की सबसे बड़ी जंग

टीवी के पॉपुलर कॉमेडी शो ‘साराभाई वर्र्सेज साराभाई’ में रोशेश का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाले अभिनेता राजेश कुमार की जिंदगी की कहानी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही है। एक समय ऐसा आया जब उन्होंने अपने सफल एक्टिंग करियर से दूरी बना ली और खेती करने का फैसला किया। इस फैसले के पीछे आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु से हुई उनकी बातचीत और उनके विचारों का बड़ा असर था। हालांकि, खेती का यह सफर राजेश के लिए आसान नहीं रहा और उन्हें करीब 2 करोड़ रुपये के कर्ज का सामना करना पड़ा।

2017 में एक्टिंग छोड़ गांव लौट गए थे राजेश

राजेश कुमार ने साल 2017 में मुंबई की चकाचौंध से दूर जाने का फैसला किया। वह अपने गृह नगर गया, बिहार लौट गए और खेती-किसानी को समझने की कोशिश शुरू की। इस फैसले ने उनके फैंस को हैरान कर दिया था, क्योंकि उस समय तक वह टीवी इंडस्ट्री का जाना-पहचाना नाम बन चुके थे।

राजेश की खेती में दिलचस्पी सद्गुरु के साथ उनकी बातचीत के बाद बढ़ी। वह सद्गुरु के ‘रैली फॉर रिवर्स’ अभियान से भी जुड़े और कई कार्यक्रमों की मेजबानी की। खेती और किसानों की समस्याओं को करीब से समझने के दौरान उन्हें लगा कि सिर्फ किसानों को सलाह देने के बजाय खुद इस काम का हिस्सा बनकर इसकी मुश्किलों को समझना चाहिए।

15 हजार पौधे लगाए, लेकिन बाढ़ ने सब बर्बाद कर दिया

राजेश ने खेती के साथ हॉर्टिकल्चर और पौधारोपण पर भी काम शुरू किया। उन्होंने जमीन लेकर बड़े स्तर पर पौधे लगाने की योजना बनाई। लेकिन उनकी मेहनत को उस समय बड़ा झटका लगा जब इलाके में करीब 35 साल बाद भयंकर बाढ़ आई और उनके लगाए पौधों को भारी नुकसान हुआ।

हार न मानते हुए राजेश ने दोबारा करीब 15 हजार पेड़ लगाने की कोशिश की। लेकिन इसके बाद कोरोना महामारी ने उनकी योजना को प्रभावित कर दिया। हालात



सामान्य होने पर उन्होंने फिर से काम शुरू करने की कोशिश की, लेकिन इसके बाद बाढ़ समस्या सामने आ गई। उन्होंने बताया कि बोरवेल के लिए करीब 500 फीट तक खुदाई कराने के बावजूद पानी नहीं मिला।

लगातार नुकसान के बाद 2 करोड़ रुपये के कर्ज में डूबे

खेती में लगातार निवेश हो रहा था, लेकिन उससे आमदनी नहीं हो पा रही थी। धीरे-धीरे उनकी बचत खत्म होती गई और खर्च बढ़ता गया। इसी वजह से राजेश करीब 2 करोड़ रुपये के कर्ज में चले गए। एक समय ऐसा भी आया जब उनके पास आमदनी का कोई नियमित जरिया नहीं था।

आर्थिक मुश्किलों के बीच राजेश ने अपने बेटे के स्कूल के बाहर सब्जियां तक बेचने का काम किया। उन्होंने बताया था कि एक वक्त उनके बैंक खाते में केवल 2,500 रुपये बचे थे। उनके लिए यह दौर आर्थिक रूप से बेहद कठिन था, लेकिन उन्होंने इसे अपनी जिंदगी की हार मानने से इनकार किया।

‘मैं इसे असफलता नहीं मानता’- राजेश

खेती के अनुभव के बारे में बात करते हुए राजेश ने कहा कि सद्गुरु की आध्यात्मिक सीख ने उन्हें मुश्किल समय में संभाले रखा। उनका कहना है कि इस पूरे अनुभव को वह सफलता या असफलता के

पैमाने पर नहीं देखते। उनके मुताबिक, खेती के दौरान उन्होंने जिंदगी, जमीन और किसानों की परेशानियों के बारे में बहुत कुछ सीखा, जो शायद सिर्फ अभिनेता रहते हुए वह कभी नहीं समझ पाते। राजेश ने यह भी बताया कि आध्यात्मिकता की वजह से वह इस कठिन दौर में निराशा, गुस्से या हताशा में नहीं गए। उनके लिए यह समय सीखने और खुद को समझने का अनुभव था।

अब एक्टिंग में लौट चुके हैं राजेश

खेती के अनुभव और आर्थिक परेशानियों के बाद राजेश कुमार ने दोबारा एक्टिंग की दुनिया में वापसी की। हाल के वर्षों में वह ‘सैयारा’ समेत कई प्रोजेक्ट्स में नजर आए हैं। उनकी वापसी ने एक बार फिर दर्शकों को उनके अभिनय की याद दिलाई।

दिलचस्प बात यह है कि अप्रैल 2026 में राजेश ने बताया था कि 2 करोड़ रुपये के पुराने कर्ज में से अब केवल करीब 10-15 प्रतिशत रकम ही बाकी रह गई है। यानी वह अपनी आर्थिक स्थिति को काफी हद तक संभाल चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि खेती से जुड़ा उनका सफर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और वह भविष्य में इससे जुड़े किसी नए और अलग प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं। एजेंसी।



सिर्फ पढ़ाई नहीं, पर्सनालिटी भी है करियर के लिए जरूरी

आज के दौर में केवल एग्जाम में अच्छे मार्क्स पाना ही काफी नहीं है। जॉब मार्केट और कॉलेज एडमिशन में सफलता पाने के लिए एक अच्छी पर्सनालिटी का होना बेहद जरूरी है। अगर आपकी पर्सनालिटी इम्प्रेसिव है, तो आप किसी भी इंटरव्यू या ग्रुप डिस्कशन में आसानी से अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। एजुकेशन एक्सपर्ट्स के अनुसार, स्टूडेंट्स अपनी पर्सनालिटी को ग्रूम करने के लिए कुछ सिंपल और प्रभावी स्टेप्स फॉलो कर सकते हैं।

कम्यूनिकेशन स्किल्स को बेहतर बनाएं

अपनी बात को स्पष्ट और सही तरीके से सामने रखना बहुत जरूरी है। रोजाना बोलने और लिखने की प्रैक्टिस करें। नए शब्द सीखें और बातचीत के दौरान सही शब्दों का चुनाव करें। बेहतर कम्यूनिकेशन से आपका कॉन्फिडेंस लेवल तेजी से बढ़ता है।

बॉडी लैंग्वेज और आई कांटेक्ट

बॉडी लैंग्वेज और आई कांटेक्ट पर ध्यान दें जब भी किसी से बात करें, तो आई कांटेक्ट बनाकर रखें। सीधे बैठना या खड़े होना, स्माइल के साथ बात करना और सही पॉश्चर बनाए रखना आपकी पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेज को दिखाता है। यह सामने वाले पर आपका पहला इम्प्रेशन बहुत शानदार डालता है।

Personality Development Tips : एक्टिव लिसनर

अच्छी पर्सनालिटी के लिए एक्टिव लिसनरहोना जरूरी है। अच्छी पर्सनालिटी वाला ईसान सिर्फ बोलता ही नहीं, बल्कि दूसरों की बातों को ध्यान से सुनता भी है। जब आप दूसरों को पूरी बात बोलने का मौका देते हैं, तो इससे आपकी समझ और मैच्योरिटी दिखती है। इंटरव्यू में भी यह क्वालिटी काफी काम आती है।

टाइम मैनेजमेंट और पॉजिटिव एटीट्यूड

अपने डेली टास्क को समय पर पूरा करने की आदत डालें। हर स्थिति में पॉजिटिव सोच रखें और मुश्किलों से घबराने के बजाय सॉल्यूशन ढूढ़ने पर फोकस करें। इन बेसिक टिप्स को अपनी रूटीन लाइफ में शामिल करने से आपका सेल्फ-कॉन्फिडेंस काफी बढ़ेगा। करियर में आगे बढ़ने और कॉम्पिटिशन में दूसरों से आगे रहने के लिए आज ही से अपनी पर्सनालिटी ग्रूमिंग पर ध्यान देना शुरू करें।

Personality Development Tips: डेली रीडिंग हैबिट

न्यूज़पेपर, बुक्स या एजुकेशनल आर्टिकल्स पढ़ने की आदत डालें। इससे आपकी नॉलेज बढ़ेगी और आपको करंट अफेयर्स को जानकारी रहेगी। जब आपके पास सही जानकारी होगी, तो आप किसी भी डिस्कशन में बिना किसी झिझक के अपनी बात रख पाएंगे। एजेंसी।

Tesla समेत 40 लाख से ज्यादा कारों का रिकॉल, डोर हैंडल की सुरक्षा पर उठे सवाल



चीन में टेस्ला समेत कई प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों ने डोर हैंडल से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के चलते 40 लाख से ज्यादा वाहनों को रिकॉल किया है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, यह इस साल का सबसे बड़ा वाहन रिकॉल है। चीन के स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन (SAMR) के अनुसार, टेस्ला करीब 29.8 लाख चीन में निर्मित और आयातित इलेक्ट्रिक वाहनों को वापस बुला रही है। इनमें Model 3, Model Y, Model X और Model S शामिल हैं।

गंभीर दुर्घटना में बढ़ सकता है खतरा

चीनी रेगुलेटर ने बताया कि कुछ परिस्थितियों में, खासकर गंभीर दुर्घटना के दौरान इलेक्ट्रिकल सिस्टम फेल होने पर, इलेक्ट्रॉनिक या फ्लश डोर हैंडल ठीक से काम नहीं कर सकते। इससे यात्रियों को

आपात स्थिति में वाहन से बाहर निकलने में परेशानी हो सकती है। साथ ही, बाहर मौजूद बचावकर्मियों के लिए वाहन के अंदर पहुंचना भी मुश्किल हो सकता है। इस समस्या को देखते हुए टेस्ला प्रभावित वाहनों में सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए जोखिम कम करेगी।

Xiaomi और दूसरी कंपनियां भी रिकॉल में शामिल

इस बड़े रिकॉल में सिर्फ टेस्ला ही नहीं, बल्कि कई चीनी वाहन निर्माता भी शामिल हैं। चीनी मीडिया के मुताबिक, Xiaomi करीब 3.9 लाख, जबकि Leapmotor 3.7 लाख से ज्यादा वाहनों को वापस बुला रही है। Geely और XPeng समेत अन्य कंपनियां भी कुछ मॉडलों को रिकॉल कर रही हैं। इन कंपनियों के रिकॉल में भी मुख्य रूप से कारों के डोर हैंडल और आपात

स्थिति में दरवाजा खोलने से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं को कारण बताया गया है।

2027 से छिपे डोर हैंडल पर लग सकता है प्रतिबंध

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाले छिपे या फ्लश डोर हैंडल की सुरक्षा को लेकर नियम कड़े करने शुरू किए हैं। चीनी अधिकारियों ने पहले संकेत दिया था कि 2027 से ऐसे डोर हैंडल पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। चीन में इलेक्ट्रिक वाहनों से जुड़े कुछ हादसों के बाद इन हैंडल की सुरक्षा की जांच बढ़ाई गई है। रिपोर्टरों के अनुसार, कुछ दुर्घटनाओं में इलेक्ट्रॉनिक दरवाजा खोलने की प्रणाली काम नहीं कर पाई, जिससे वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकलने में मुश्किल हुई।

एजेंसी।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बालको की बढ़ती भूमिका

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास की कहानी में कुछ संस्थानों का योगदान केवल उनके उत्पादन आंकड़ों से नहीं आंका जा सकता। उनका वास्तविक प्रभाव रोजगार, स्थानीय अर्थव्यवस्था, युवाओं के लिए अवसर और समाज में आए सकारात्मक बदलावों से समझा जाता है। भारत

एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ऐसी ही औद्योगिक यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्ष 1965 में स्थापित बालको आज छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान का प्रमुख स्तंभ है। वर्ष 2001 में वेदांता समूह के प्रबंधन में आने के बाद कंपनी ने उत्पादन क्षमता, ऊर्जा, तकनीक और अधोसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार किया। वर्तमान में

बालको की एल्यूमिनियम स्मेल्टर क्षमता 5.95 लाख टन प्रतिवर्ष है और विस्तार परियोजना के बाद यह बढ़कर 1 मिलियन टन प्रतिवर्ष हो जाएगी। यह विस्तार केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाने की परियोजना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश, रोजगार, व्यापार और स्थानीय विकास के अगले चरण की नींव है।



सुरक्षा के साथ विकास की संस्कृति

औद्योगिक विकास के साथ सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बालको कर्मचारियों और व्यवसायिक साझेदारों के लिए नियमित प्रशिक्षण, सुरक्षा प्रथम, ‘असुरक्षित कार्य को ना कहना’ मॉक ड्रिल, आपातकालीन प्रतिक्रिया और सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। कंपनी की ‘सुरक्षा संकल्प’ पहल सुरक्षित कार्य संस्कृति को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। सुरक्षा को संचालन का अभिन्न हिस्सा बनाकर बालको सुरक्षित कार्यस्थल, जागरूक कार्यबल और जिम्मेदार औद्योगिक संचालन की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है।

सतत विकास के साथ औद्योगिक प्रगति

एल्यूमिनियम उत्पादन के साथ पर्यावरणीय स्थिरता को संतुलित करना बालको की विकास रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, पौधारोपण, इलेक्ट्रिक वाहनों और कम कार्बन उत्सर्जन वाले उत्पादों के माध्यम से अधिक टिकाऊ औद्योगिक विकास की दिशा में काम कर रही है। रिस्टोरा लो-कार्बन एल्यूमिनियम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो कम कार्बन उत्सर्जन वाले एल्यूमिनियम की बढ़ती मांग को पूरा करने की दिशा में योगदान देता है। औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित करने का यह प्रयास भविष्य के अधिक टिकाऊ उद्योग की दिशा को दर्शाता है।

उद्योग से बढ़ती स्थानीय अर्थव्यवस्था की ताकत

बालको का प्रभाव उसके संयंत्र परिसर तक सीमित नहीं है। कंपनी के विकास के साथ कोरबा और बालकोनगर की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है। प्रत्यक्ष रोजगार के साथ व्यवसायिक साझेदारों, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, सेवाओं तथा छोटे-बड़े स्थानीय व्यवसायों के लिए अवसर बढ़े हैं। पिछले एक दशक में बालको ने छत्तीसगढ़ राज्य और केंद्र सरकार के राजस्व में लगभग 29,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। देश की औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने

में भी बालको की महत्वपूर्ण भूमिका है। कंपनी अपने उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत एल्यूमिनियम घरेलू बाजार में उपलब्ध कराती है। एल्यूमिनियम आधुनिक अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण धातुओं में शामिल है और परिवहन, निर्माण, ऊर्जा, रक्षा तथा अंतरिक्ष जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में इसका उपयोग लगातार बढ़ रहा है। बालको ने देश की वैज्ञानिक और रणनीतिक परियोजनाओं के लिए एल्यूमिनियम की आपूर्ति में भी योगदान दिया है।

1 मिलियन टन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

बालको अपनी विकास यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव पर है और 1 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन क्षमता के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 525 किलो एम्पीयर पॉटलाइन से फर्स्ट मेटल उत्पादन शुरू होना क्षमता विस्तार यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उपलब्धि नई तकनीक, बेहतर दक्षता और भविष्य की औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप संचालन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

यह विस्तार केवल बालको की उत्पादन क्षमता में वृद्धि नहीं है, बल्कि इससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के और विस्तार की संभावनाएं भी जुड़ी हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर पैदा होने, स्थानीय व्यवसायों की गति मिलने तथा

व्यवसायिक साझेदारों, लॉजिस्टिक्स, सेवा क्षेत्र और स्थानीय उद्यमों के लिए नए अवसर बनने की संभावना है। इस तरह बालको का आर्थिक प्रभाव संयंत्र से निकलकर कोरबा और आसपास के क्षेत्रों तक पहुंचता है।



विकसित भारत की औद्योगिक यात्रा में योगदान

भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में मजबूत घरेलू धातु क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। बुनियादी ढांचे से लेकर रक्षा, ऊर्जा, परिवहन और अंतरिक्ष तक, देश की विकास यात्रा गुणवत्तापूर्ण धातुओं की उपलब्धता से जुड़ी है। ऐसे में बालको का बढ़ता उत्पादन, तकनीकी क्षमता और

नवाचार देश की औद्योगिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने में योगदान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ से विकसित भारत की दिशा में बालको की यात्रा अब एक औद्योगिक संयंत्र की विकास कहानी से आगे बढ़कर रोजगार, तकनीक, नवाचार, आर्थिक विकास और राष्ट्र निर्माण की कहानी बन चुकी है। 1 मिलियन

टन की ओर बढ़ता बालको उत्पादन क्षमता के विस्तार के साथ देश की बढ़ती एल्यूमिनियम जरूरतों को पूरा करने की दिशा में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। आने वाले वर्षों में क्षमता विस्तार, तकनीकी नवाचार और सतत विकास के माध्यम से बालको भारतीय एल्यूमिनियम उद्योग को नई गति

देने की दिशा में आगे बढ़ेगा। छत्तीसगढ़ की धरती पर शुरू हुई यह औद्योगिक यात्रा अब राष्ट्र निर्माण के बड़े लक्ष्य से जुड़ चुकी है। बालको का अगला अध्याय केवल अधिक एल्यूमिनियम उत्पादन का नहीं, बल्कि अधिक अवसर, अधिक नवाचार और अधिक विकास गढ़ने का है।



बालको की उत्पादन क्षमता होगी 10 लाख टन-सीईओ राजेश कुमार सिंह

हॉट मेटल की सीधी आपूर्ति से बढ़ेगा डाउनस्ट्रीम उद्योग, रोजगार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

बालको उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ कोरबा को एल्यूमिनियम डाउनस्ट्रीम उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में काम कर रहा है। विस्तारित परियोजना पूरी होने के बाद बालको की एल्यूमिनियम उत्पादन क्षमता 10 लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी, जिससे वेदांता एल्यूमिनियम की कुल क्षमता लगभग 28.5 लाख टन प्रति वर्ष पहुंच जाएगी और समूह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एल्यूमिनियम उत्पादक बन जाएगा। उक्त बातें मीडिया से चर्चा के दौरान बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व पूर्णकालिक निदेशक (सीईओ) राजेश कुमार सिंह ने कही। श्री सिंह ने बताया कि निजीकरण के समय बालको की उत्पादन क्षमता केवल एक लाख टन थी। लगातार निवेश और आधुनिक तकनीक के उपयोग से इसे पांच लाख टन तक पहुंचाया गया। नए स्मेल्टर की स्थापना के बाद उत्पादन क्षमता बढ़कर 10 लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह विस्तार केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं होगा, बल्कि कोरबा को देश के प्रमुख एल्यूमिनियम केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम



बर्‍या कोल ब्लॉक को 2028 तक विकसित करने का लक्ष्य

सीईओ राजेश कुमार सिंह ने बताया कि उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ ऊर्जा और कोयले की आवश्यकता भी बढ़ेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए रायगढ़ जिले के बर्‍या कोल ब्लॉक को वर्ष 2028 तक विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके शुरू होने पर कंपनी की बाहरी स्रोतों से कोयला खरीद पर निर्भरता कम होगी। वर्तमान में बालको अपने कैप्टिव बिजली संयंत्र से आवश्यकता पूरी करने के बाद लगभग 300 मेगावाट अतिरिक्त बिजली खुले बाजार में बेच रहा है।

बालको में भी कैंसर उपचार सुविधा विकसित करने की संभावना पर विचार

राजेश कुमार सिंह ने बताया कि वेदांता समूह के रायपुर स्थित कैंसर अस्पताल की तर्ज पर बालको क्षेत्र में भी विशेष कैंसर उपचार सुविधा विकसित करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। प्रस्ताव का तकनीकी परीक्षण किया जाएगा। योजना साकार होने पर कोरबा और आसपास के जिलों के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी।

होगा। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा एल्यूमिनियम पार्क के निर्माण से यहां स्थापित होने वाले लघु और मध्यम उद्योगों की सीधे हॉट मेटल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे परिवहन लागत घटेगी और मूल्य संवर्धित एल्यूमिनियम उत्पादों का निर्माण बढ़ेगा। इससे स्थानीय रोजगार और

औद्योगिक निवेश को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि औद्योगिक विकास के साथ स्थानीय समाज का विकास भी समान रूप से होना चाहिए। इसी औद्योगिक विकास का लाभ स्थानीय विकास, महिला सशक्तिकरण और

फोरलेन निर्माण के लिए बालको उपलब्ध करा चुका है 30 करोड़

श्री सिंह ने कहा कि परसाभाटा से रूमगरा तक फोरलेन सड़क निर्माण के लिए बालको, प्रशासन को 30 करोड़ रुपए उपलब्ध करा चुका है। बारिश के बाद निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। सड़क बनने से भारी वाहनों का दबाव कम होगा और बालको क्षेत्र में लंबे समय से बनी जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार निवेश किया जा रहा है, ताकि औद्योगिक विकास का लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंच सके।

बालको ने आपसी विश्वास, स्नेह और एकजुटता के पर्व रक्षाबंधन को धूमधाम से मनाया

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने कर्मचारियों और समुदाय के साथ आपसी विश्वास, स्नेह और एकजुटता के प्रतीक रक्षाबंधन का उत्सव मनाया। इस अवसर पर कर्मचारियों ने सुरक्षा कर्मियों की कलाई पर राखी बांधकर उनके समर्पण और सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने में योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, समुदाय के साथ उत्सव मनाकर बालको ने आपसी संबंधों को और मजबूत करने तथा साझा विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बालको में रक्षाबंधन को सुरक्षा और विश्वास से जोड़ते हुए विभिन्न विभागों के करीब 150 कर्मचारियों ने महिला, पुरुष, ट्रांसजेंडर और सुरक्षा कर्मियों की कलाई पर राखी बांधी। इस पहल के माध्यम से कर्मचारियों ने उन कर्मियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की, जो हर दिन कार्यस्थल पर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राखी का यह धागा आपसी विश्वास, जिम्मेदारी और सुरक्षित कार्य संस्कृति के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक बना।

रक्षाबंधन के अवसर पर बालको की उन्नति परियोजना से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी उत्सव में भागीदारी की। महिलाओं



ने अपने हाथों से तैयार की गई राखियां बालको के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों की कलाई पर बांधीं। यह पहल उन्नति परियोजना के माध्यम से महिलाओं में विकसित आत्मविश्वास, कौशल और उद्यमशीलता की भावना को दर्शाती है। महिलाओं के लिए आय के नए अवसर तैयार करने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में उन्नति परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

वहीं, बालको अस्पताल में भी रक्षाबंधन की विशेष झलक देखने को मिली। बालको की उन्नति परियोजना से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अस्पताल के डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों की कलाई पर राखियां बांधकर उनके समर्पण और सेवाभाव के प्रति आभार व्यक्त किया।

डॉक्टरों ने भी महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मियों और समुदाय के बीच विश्वास, सम्मान और अपनत्व के रिश्ते को मजबूत करने का माध्यम

बनी। कंपनी ने नंद घर के बच्चों के साथ भी रक्षाबंधन का उत्सव मनाया। नंद घर के बच्चों ने स्वयं अपने हाथों से सुंदर राखियां तैयार कीं और एक-दूसरे की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और आपसी सहयोग का संदेश दिया। बच्चों के लिए यह गतिविधि रचनात्मकता के साथ-साथ भारतीय त्योहारों और पारिवारिक मूल्यों को समझने का अवसर भी बनी। नंद घर वेदांता समूह की सामुदायिक विकास पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास और महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। बालको अपने परिचालन क्षेत्र के समुदायों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में निरंतर पहल कर रहा है। बालको द्वारा आयोजित रक्षाबंधन उत्सव ने कर्मचारियों और समुदाय के बीच विश्वास, सम्मान और अपनत्व के रिश्ते को और मजबूत किया। त्योहार की खुशियों को साझा करते हुए सभी ने सहयोग, सुरक्षा और सामुदायिक विकास की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बालको ने डिजिटल कंट्रोल टावर्स के माध्यम से प्रचालन को बनाया अधिक स्मार्ट

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने लॉजिस्टिक्स और प्रचालन को अधिक स्मार्ट और कनेक्टेड बनाने की दिशा में पांच एआई-सक्षम डिजिटल कंट्रोल टावर्स को एकीकृत किया है। ये कंट्रोल टावर्स कोयला लॉजिस्टिक्स, फिनिशड प्रोडक्ट, फ्लाई फ्लाई ऐश प्रबंधन, आंतरिक वाहनों और अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े संचालन को एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाते हैं। इससे महत्वपूर्ण प्रचालन गतिविधियों की रियल-टाइम निगरानी, बेहतर समन्वय और डेटा आधारित निर्णय लेने में मदद मिल रही है। यह पहल तकनीक-सक्षम और मजबूत घरेलू विनिर्माण मूल्य श्रृंखला विकसित करने की भारत की व्यापक दिशा के अनुरूप है।

इस डिजिटल व्यवस्था में जीपीएस, आईओटी आधारित वाहन ट्रैकिंग, एआई आधारित वीडियो टेलीमैटिक्स, जियो-फेंसिंग और रियल-टाइम एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। इनके माध्यम से लॉजिस्टिक्स गतिविधियों की शुरुआत से अंत तक निगरानी और बेहतर प्रबंधन संभव हो रहा है। एजेंटिक एआई से लैस ये कंट्रोल टावर्स उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रचालन के रुझानों को समझने, संभावित आवश्यकताओं की पहचान करने के परिवहन की डिजिटल ट्रैकिंग और मूवमेंट प्लानिंग में मदद करता है। इससे कोयले की आवाजाही की निगरानी और आपूर्ति श्रृंखला में बेहतर समन्वय सुनिश्चित होता है। फिनिश



प्रोडक्ट कंट्रोल टावर प्लॉट के भीतर तैयार उत्पादों की आवाजाही को डिजिटल रूप से प्रबंधित करता है। इसमें डिजिटल पूफ ऑफ डिलीवरी, जियो-फेंसिंग आधारित रुटिंग और ट्रैफिक मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं शामिल हैं, जो उत्पादों की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित बनाती हैं। फ्लाई ऐश मैनेजमेंट कंट्रोल टावर

राख की आवाजाही और निर्धारित मार्गों की रियल-टाइम निगरानी करता है। इससे राख के परिवहन की बेहतर ट्रैकिंग, संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन में सहायता मिलती है। वेस्ट मैनेजमेंट कंट्रोल टावर अपशिष्ट पदार्थों की आवाजाही और निर्धारित प्रक्रियाओं के

अनुपालन की निगरानी करता है, जिससे बेहतर ट्रेसबिलिटी और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। वहीं, इंटरनल व्हीकल कंट्रोल टावर प्लॉट परिसर में संचालित तकनीकी और उपयोगिता वाहनों की केंद्रीकृत निगरानी करता है। इसमें मीडियम टैक्टिकल व्हीकल्स (एमटीवी), लाइट मीडियम टैक्टिकल व्हीकल्स (एलटीवी), फोर्कलिफ्ट, हाइड्रा, कैंपर और बस जैसे वाहन शामिल हैं। इन सभी वाहनों को साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने से उनकी गतिविधियों की निगरानी और प्रबंधन अधिक सुव्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है।

ये कंट्रोल टावर्स बालको की व्यापक डिजिटलाइजेशन रणनीति का हिस्सा हैं। वाहनों, मार्गों, आवाजाही और अन्य प्रचालन गतिविधियों से प्राप्त आंकड़ों को एकीकृत कर यह व्यवस्था टीमों को महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स कार्यों की समग्र जानकारी उपलब्ध कराती है।

इससे प्रचालन में होने वाले बदलावों की पहचान, प्रदर्शन का विश्लेषण और आवश्यक कार्रवाई तेजी से करने में मदद मिलती है। कंट्रोल टावर्स के माध्यम से कच्चे माल, फिनिशड प्रोडक्ट, आंतरिक वाहनों और विनियमित अपशिष्ट की आवाजाही में बेहतर निगरानी और समन्वय स्थापित हुआ है। इससे जवाबदेही, संसाधनों के बेहतर उपयोग और आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को बढ़ावा मिल रहा है।

एल्यूमिनियम उद्योग तेजी से तकनीक आधारित और कनेक्टेड विनिर्माण व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। इस दिशा में बालको आधुनिक तकनीकों और औद्योगिक अनुभव के संयोजन से अपनी डिजिटल क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। पांच डिजिटल कंट्रोल टावर्स का एकीकरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बालको के प्रचालन को अधिक एकीकृत, प्रभावी और भविष्य के लिए तैयार बनाने में योगदान दे रहा है।